The Tribune
VOICE OF THE PEOPLE

Sun, 17 Nov 2019

First night trial of Agni-II conducted successfully

BALASORE (ODISHA), NOV 16

India on Saturday conducted successfully the first night trial of 'Agni-II', its versatile surface-to-surface medium range nuclear capable missile from Dr Abdul Kalam Island off Odisha coast, defence sources said.

The missile has a strike range of 2,000 km, the sources said soon after it blasted off from a mobile launcher at the Launch Complex-4 of the Integrated Test Range (ITR), the sources said. 'Agni-II', an intermediate range ballistic missile (IRBM) has already been inducted into the armed forces.

A defence official said this was the first time that the sophisticated missile was testfired at night. The entire trajectory of the trial was tracked by a battery of sophisticated radars, telemetry observation stations, electro-optic instruments and two naval ships located near the impact point in the down range area of Bay of Bengal, DRDO sources said.

The 20-metre-long ballistic missile has a launch weight of 17 tonne and can carry a payload of 1,000 kg over 2,000 km

The two stage missile equipped with advanced high accuracy navigation system, was guided by a novel state-of-the-art command and control system and propelled by solid rocket propellant system, the Defence official said.

The missile has already been inducted and is part of countries arsenal for strategic deterrence. It was launched as a regular exercise undertaken by the armed forces, he said.

Saturdays test was carried out by the specially formed Strategic Forces Command of the Army with logistic support from the Defence Research and Development Organisation (DRDO). 'Agni-II' was developed by Advanced Systems Laboratory along with other DRDO laboratories and integrated by the Bharat Dynamics Limited, Hyderabad, the sources said.

'Agni-11' is part of the Agni series of missiles which includes Agni-I with a 700 km range, Agni-III with a 3,000 km range, Agni-IV and Agni-V both having long range capabilities. The first testfiring of the proto type of Agni-II missile was carried out on April 11, 1999. — PTI

दैनिक जागरण

Sun, 17 Nov 2019

परमाणु हमले में सक्षम अग्नि-2 रात में भी भेदेगी लक्ष्य

लावा पांडे • बालेश्वर (ओडिशा)

सीमाओं की सुरक्षा मजबूत करने व सेना को ताकतवर बनाने की दिशा में देश ने एक और कदम बढ़ाया है। शनिवार को पहली बार बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि-2 का रात्रिकालीन परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया। परमाणु हमला करने में सक्षम इस मिसाइल की जद में पाकिस्तान व चीन के साथ दक्षिण एशिया के कई देश आ गए हैं।

ओडिशा में अग्नि-2 का परीक्षण किया गया • जागरण

भारत अपनी मिसाइलों का परीक्षण तटवर्ती ओडिशा के बंगाल की खाड़ी स्थित चांदीपुर के परीक्षण स्थल एक, दो और तीन नंबर या फिर अब्दुल कलाम द्वीप से चार नंबर लांचिंग कॉम्प्लेक्स से करता आ रहा है। शनिवार को अब्दुल कलाम द्वीप के चार नंबर लांचिंग पैड से रात 7:32 बजे अग्नि-2 मिसाइल का परीक्षण किया गया, जो सफल रहा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की मदद से सेना के सामरिक बल कमान ने परीक्षण किया। इस मौके पर डीआरडीओ और अंतरिम परीक्षण परिषद (आइटीआर) से जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अधिकारियों का दल मौजूद था। भविष्य में भारत और कई मिसाइलों का परीक्षण कर सकता है।

यह है खासियत: देश में ही बनाई गई 21 मीटर लंबी, एक मीटर चौड़ी, 17 टन वजन वाली यह मिसाइल 1000 किलोग्राम तक विस्फोटक ले जाने की क्षमता रखती है। इसकी मारक क्षमता 2000 किलोमीटर तक है। यह ठोस ईंधन से संचालित बैलेस्टिक मिसाइल है।

अग्नि सीरीज का हिस्सा: सतह से सतह पर मार करने वाली मध्यम दूरी की इस मिसाइल का रात में भी परीक्षण होने से अग्नि सीरीज की मिसाइलों में एक नई ताकत मिली है। इस सीरीज में अग्नि-1 व अग्नि-3 शामिल हैं। अग्नि-2 पहले ही सेना में शामिल हो चुका है।

क्या होती है बैलेस्टिक मिसाइल

तकनीकी दृष्टिकोण से बैलेस्टिक मिसाइल उस प्रक्षेपास्त्र को कहते हैं, जिसका प्रक्षेपण पथ सब ऑर्बिटल बैलेस्टिक पथ होता है। इसका उपयोग किसी हथियार (नाभिकीय अस्त्र) को किसी पूर्व निर्धारित लक्ष्य पर दागने के लिए किया जाता है। यह मिसाइल प्रक्षेपण के प्रारंभिक स्तर पर ही गाइड की जाती है। इसके बाद का पथ आर्बिटल मैकेनिक के सिद्धांतों पर एवं बैलेस्टिक सिद्धांतों से निर्धारित होता है। अभी तक इसे रासायनिक रॉकेट इंजन द्वारा प्राणोदित किया जाता है।